Door Closer

PRINCE POLO
Mob:8422984733

Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | जुलाई 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 08 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

HYDRAULIC BED LIFTER

CODE	PRODUCT DESCRIPTION	CAPACITY (Kg.)	SET PER BOX	CASE PKG. (Sets)
HW153	HBL MECHANISM 5mm (3')	N/A	1	4
HW154	HBL MECHANISM 5mm (4')	N/A	1	4
HW155	HBL MECHANISM 5mm (5')	N/A	1	4
HW156	HBL MECHANISM 5mm (5') WITH GAS PUMP COMBO	200	1	4
HW157	GAS PUMP (17")	200	1	25

Features
- Perfect Storage and Space saving
- Large opening for easy access under the bed
- Opening from the side or foot of the bed is workable
- Application Industries Beds in Home/ Hotel etc
- Black Finish

GLORIOUS PRODUCT RANGE

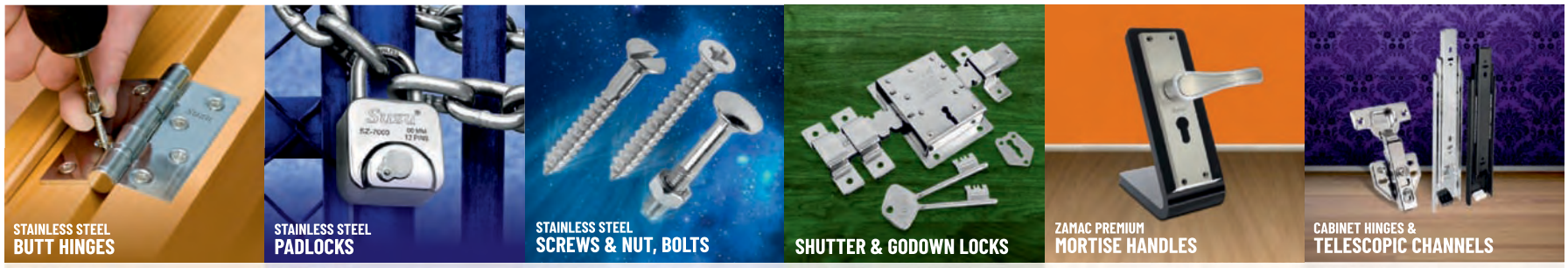

NEWLY LAUNCHED

GRAPHITE BUTT HINGES | ALUMINIUM TOWER BOLTS | PREMIUM MORTISE HANDLES | PREMIUM CABINET HANDLES | PULL HANDLES | MS HEAVY HYDRAULIC CABINET HINGES

FOR CARPENTERS & CONTRACTORS
MISSED CALL ON THIS NUMBER
+91-93151 93969
FOR REGISTERED YOURSELF TO KNOW MORE ABOUT COMPANY'S SPECIAL SCHEMES & BENIFITS.

MANUFACTURER, PAN INDIA MARKETING NETWORK & EXPORTERS LOCKS | HINGES | SCREWS | DOOR HARDWARE

Work At : 110 I.D.C. Hissar Road, Rohtak - 124001, Haryana
Regd./Corporate Office : 209-B, 2nd Floor Crown Heights, Rohini Sec. 10, New Delhi

Cont: +91-9811242777
+91-9911118272

www.suzusteel.com | www.suzu.in
Find us on :

CUSTOMER HELPLINE TOLL FREE NUMBER 1800 12000 4005
Time : 10 AM To 7 PM (Monday - Saturday)

Scan QR Code Download Product Range Catalogue

DISTRIBUTORS & DEALERS ENQUIRY SOLICITED

VOCAL FOR LOCAL

PADLOCKS | BUTT HINGES | TOWER BOLTS | SCREWS | ALDROPS | DOOR AND WINDOW FITTINGS | CABINET HINGES | DOOR CLOSER | MORTISE HANDLES | MPL LOCKS | SHUTTER LOCKS | GODOWN LOCKS | MAIN DOOR LOCKS

Our Global Associates : DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

कौशल भारत मिशन, विकास और उन्नति का द्वार

विश्वकर्मा नमस्तेस्तु, विश्वात्मा विश्व संभवः अर्थात जिनके कारण विश्व में सब कुछ संभव होता है, उन विश्वकर्मा को नमस्कार है। विश्वकर्मा को विश्वकर्मा इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनके कौशल के बिना समाज का अस्तित्व ही असंभव है। दुर्भाग्य से कौशल विकास की व्यवस्था हमारे सामाजिक शिक्षा व्यवस्था में धीरे-धीरे कमजोर पड़ती गई। उसके मर्म को समझ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद से ही भारत को आत्मनिर्भर बनाने का सपना संजोया जो आज हर भारतवासी का संकल्प बन चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में सात वर्ष पूर्व शुरू किए गए कौशल भारत मिशन ने देश के युवाओं को कुशल और सशक्त बनाया है। इस मिशन से नौकरी चाहने वालों को नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसी का परिणाम है कि भारत कोविड जैसी भयावह महामारी से दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले बेहतर ढंग से निपट सका। इसमें शायद ही अब किसी को संदेह होगा कि मोदी सरकार के सुशासन के मॉडल में तकनीक प्रथम है। स्किल, रि-स्किल और अप-स्किल का मंत्र तकनीक के दौर में नए-नए कौशल विकास की अनिवार्य शर्त बन गई है और कौशल भारत मिशन करोड़ों युवाओं को कौशल के साथ रोजगार के नए अवसर भी दी है। देश की असंगठित कार्यस्थिति को भी औपचारिक बनाने के लिए पारंपरिक कौशल (जैसे- कारपेंटर, प्लंबर, पत्थर की नक्काशी आदि शामिल हैं) को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत पूर्व के अनुभव को मान्यता देने की भी पहल हुई ताकि असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में बदला जा सके।

शिक्षा हो या स्वास्थ्य, श्रम हो या उद्योग जगत, गांव हो या शहर, सरकार हो या कॉरपोरेट, तकनीक और नित नए कौशल का विकास राष्ट्र-समाज से जुड़े हर क्षेत्र में अनिवार्य शर्त बन गई है। कोविड के बाद की दुनिया में इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। इसलिए दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले भारत ने कौशल क्षमता के विकास को नई दिशा दी है, जहां हुनर से अपनी जिंदगी संवार कर राष्ट्र का युवा अपने लिए विकास और उन्नति के द्वार खोल रहे हैं। साथ ही स्किल, रि-स्किल और अप-स्किल करोड़ों युवाओं और कमजोर वर्ग के लिए कौशल के साथ रोजगार का एक मंत्र बन गया है। कौशल भारत मिशन युवाओं को बेहतरीन मानव संसाधन के रूप में बदल रहा है, कौशल को नई पहचान दिलाई है और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प साकार हो रहा है।

देश में आज लगभग ढाई हजार कौशल भारत केंद्र और लगभग 15 हजार प्रशिक्षण केंद्र हैं, जहां 37 सेक्टर्स में 300 से ज्यादा पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाता है। कौशल भारत मिशन की सफलता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि हर वर्ष एक करोड़ से अधिक युवा इस मिशन में शामिल होकर अपने जीवन और राष्ट्र को नई पहचान दिला रहे हैं। भारत में कौशल विकास कोई नया विषय नहीं है, लेकिन नीयत का फर्क है। पहले कौशल विकास का मामला कई विभागों में बिखरा पड़ा होता था, उसका कोई एक मालिक नहीं था। लेकिन कौशल विकास की महत्ता को नजदीक से देखने-समझने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने सबको एक साथ लाकर कौशल विकास का अलग मंत्रालय बना दिया। यानी सोच बेहद स्पष्ट थी कि फोकस तरीके से कौशल विकास के जरिए देश में नौजवानों को इस तरह तैयार किया जाए कि उन्हें कभी किसी पर निर्भर नहीं होना पड़े। युवाओं को नौकरी मांगने वाला बनाने की बजाए कौशल से इस तरह लैस करने की सोच थी कि वह नौकरी देने वाला बन जाए। युवाओं को कौशल के साथ-साथ नए अवसर दिलाने के लिए भी केंद्र सरकार स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, मुद्रा योजना से ऋ ण उपलब्ध करा रही है। भारत बदल रहा है और वैश्विक स्तर पर भी भारत का कद बढ़ रहा है, जिसके मूल में देश की अपार जन शक्ति है जो आपदा को अवसर में बदलकर राष्ट्र के लिए कुछ भी कर गुजरने को तत्पर रहती है। इसी का परिणाम है कि भारत अब दुनिया में कौशल विकास के केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।

मोदी ने छोटे कारोबारियों के लिए नई स्कीम लांच की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छोटे कारोबारियों के लिए नई स्कीम को लांच किया। दिल्ली के विज्ञान भवन में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत उद्यमी भारत कार्यक्रम में पीएम मोदी ने राइजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और अन्य सुविधाओं का शुभारंभ किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एमएसएमई सेक्टर के लिए हमारी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। हमारी सरकार ने 18 हजार एमएसएमई को 500 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए हैं। एमएसएमई के उद्यम से ही आत्मनिर्भर भारत के अभियान को सिद्धि मिलेगी, भारत सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भारत जो भी ऊंचाइयां हासिल करेगा, वह एमएसएमई क्षेत्र की सफलता पर निर्भर करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का एक्सपोर्ट लगातार बढ़े, भारत के प्रॉडक्ट्स नए बाजारों में पहुंचे, इसके लिए देश के एमएसएमई सेक्टर का सशक्त होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आपके इसी सामर्थ्य, इस सेक्टर की असीम संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय ले रही है, नई नीतियां बना रही है। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई पहल और सरकार द्वारा किए गए अन्य उपाय एमएसएमई की क्वालिटी और प्रमोशन से जुड़े हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम एमएसएमई कहते हैं तो तकनीकी भाषा में इसका विस्तार होता है माइक्रो स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज। लेकिन ये सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, भारत की विकास यात्रा का बहुत बड़ा आधार हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में लगभग एक तिहाई हिस्सेदारी एमएसएमई सेक्टर की है। एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त करने का मतलब है - पूरे समाज को सशक्त करना, सबको विकास के लाभ का भागीदार बनाना, सबको आगे बढ़ाना। इसलिए एमएसएमई सेक्टर सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर को मजबूती देने के लिए पिछले आठ वर्षों में हमारी सरकार ने बजट में 650 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोत्तरी की है। उन्होंने कहा कि 11 करोड़ से अधिक लोग इस क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एमएसएमई रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण है। महामारी के संकट के दौरान, हमने अपने छोटे उद्यमों को बचाने के साथ ही उन्हें नई ताकत देने का भी फैसला किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम के तहत साढ़े 3 लाख करोड़ रुपए की मदद एमएसएमई उद्यमों के लिए सुनिश्चित की। एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे करीब 1.5 करोड़ रोजगार खत्म होने से बच गए। उन्होंने कहा कि आजादी के इस अमृत काल में हमारे एमएसएमई भारत की आत्मनिर्भरता के विराट लक्ष्य की प्राप्ति का भी एक बहुत बड़ा माध्यम हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा भी उपस्थित रहे।

हिंदी में भी जारी होंगी संयुक्त राष्ट्र की सूचनाएं

मुंबई। वर्ष 1977 में विदेश मंत्री रहते हुए अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा को हिंदी में संबोधित किया था। तब पहली बार संयुक्त राष्ट्र में हिंदी का डंका बजा था। बाद में उन्हीं के तर्ज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई बार संयुक्त राष्ट्र में अपना संबोधन हिंदी में दिया। अब उसी हिंदी में जानकारी की अहमियत को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पहली बार हिंदी भाषा से जुड़े भारत के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के सभी जरूरी कामकाज और सूचनाओं को इसकी अधिकारिक भाषाओं के अलावा दूसरी भाषाओं जैसे- हिंदी में भी जारी किया जाए। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र के सभी जरूरी संदेश अब हिंदी में भी भेजे जाएंगे।

200 वर्षों से छप रहा मुंबई समाचार

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में मुंबई समाचार के द्विशताब्दी महोत्सव में भी भाग लिया। साप्ताहिक के रूप में मुंबई समाचार की छपाई 1 जुलाई 1822 को फरदुनजी मरजबानजी द्वारा शुरू की गई थी जो 1832 में दैनिक बन गया। यह समाचारपत्र 200 वर्षों से लगातार प्रकाशित हो रहा है। इस अनूठी उपलब्धि का उत्सव मनाने के लिए इस अवसर पर एक डाक टिकट भी जारी किया गया।

शापूरजी पालोनजी कंस्ट्रक्शन ने बनाया कई ऐतिहासिक इमारतें

मुंबई। शापूरजी पालोनजी ग्रुप के चेयरमैन पालोनजी मिस्त्री का मुंबई में 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पालोनजी मिस्त्री को भारत के सबसे पुराने अरबपति के नाम से जाना जाता है। अरबपति बिजनेसमैन पालोनजी मिस्त्री को वर्ष 2016 में देश के तीसरे सबसे बड़े सिविलियन अवार्ड पद्मभूषण से नवाजा गया था।

दशकों से कई ऐतिहासिक इमारतें जो आज के मुंबई की पहचान है। इसे शापूरजी पालोनजी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट द्वारा बनाए गए थे। शापूरजी पालोनजी समूह की कंपनियों ने मुंबई की कुछ ऐतिहासिक इमारतों का निर्माण किया। जिनमें हांगकांग बैंक, ग्रिंडलेज बैंक, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, ओबेरॉय होटल, भारतीय रिजर्व बैंक, ब्रेबोर्न स्टेडियम, ताज महल होटल और मुंबई सेंट्रल स्टेशन शामिल हैं। इसकी ऐतिहासिक परियोजनाओं में ओमान के सुल्तान के लिए नीला और सुनहरा अल आलम महल भी शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि हिंदी सिनेमा के इतिहास में अपने समय की सबसे सफल फिल्म मुगल ए आजम के निमार्ता भी पालोनजी के पिता थे और 2004 में डिजिटल तरीके से रंगीन बनाने के बाद इस परिवार ने फिल्म को दोबारा रिलीज कराया था। परिवार ने इसके बाद फिल्म कारोबार में निवेश नहीं किया।

मिस्त्री और उनका परिवार शापूरजी पालोनजी ग्रुप को कंट्रोल करता है, जो 150 वर्ष पहले शुरू हुआ था। शापूरजी पालोनजी ग्रुप का कारोबार इंजीनियरिंग, कंस्ट्रक्शन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, वाटर एनर्जी और फाइनेंशियल सेवाओं के क्षेत्र में फैला हुआ है। इस ग्रुप के पास तकरीबन 50,000 कर्मचारी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह ग्रुप दुनिया के 50 देशों में कारोबार कर रही है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के अनुसार पालोनजी मिस्त्री 28.9 बिलियन डॉलर संपत्ति के मालिक थे। शापूरजी पालोनजी ग्रुप के पास टाटा संस की भी 18.4 फीसद हिस्सेदारी है। टाटा संस ही टाटा ग्रुप की कंपनियों को चलाता है। पालोनजी मिस्त्री दुनिया के 41वें नंबर के अमीर शख्स थे। वे सबसे अमीर आयरिश यानि आयरलैंड के सबसे अमीर शख्स भी थे। उन्होंने 1970 में अबू धाबी, कतर और दुबई सहित मध्य पूर्व में कंपनी के विस्तार का नेतृत्व किया। इसने 1971 में ओमान के महल के सुल्तान और वहां कई मंत्रिस्तरीय भवनों के निर्माण का कॉन्ट्रैक्ट जीता।

मिस्त्री का जन्म एक भारतीय पारसी परिवार में 1 जून 1929 को मुंबई में हुआ था। उनकी शुरूआती पढ़ाई मुंबई में हुई थी। बाद में हायर एजुकेशन के लिए वे लंदन के इंपीरियल कॉलेज चले गए। वह 18 वर्ष की उम्र में अपने पिता के साथ पारिवारिक कारोबार से जुड़े और 1970 के दशक में इसका विस्तार अबूधाबी, दुबई और कतर में किया। वे साल 2003 में आइरलैंड की एक महिला से शादी करने के बाद आयरिश नागरिक हो गए थे। हालांकि उनका ज्यादातर समय भारत में ही बीता है।

कारपेंटर्स न्यूज

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | twitter.com/carpentersnews1 | Telegram: https://t.me/carpenters_news

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com | **ईपेपर :** http://cwaindia.org/ePaper/

मुंबई | जुलाई 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 08 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

पुलिस करती है पेड़ की सुरक्षा

भोपाल और विदिशा के बीच सलामतपुर पहाड़ी पर एक पेड़ है जिसकी सुरक्षा 24 घंटे 4 पुलिस वाले करते है। इसका सालाना खर्च लगभग 15 लाख रुपए है। इसे श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिन्द्रा राजपक्षे ने लगाया था। कहते है यह उसी बोधवृक्ष की टहनी है जिसके नीचे गौतम बुद्ध को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी।

HAR GHAR SURAKSHIT

A HOME SAFETY AWARENESS INITIATIVE BY GODREJ LOCKS

Godrej | LOCKS

THINK SAFETY, THINK GODREJ.

कैसा लगेगा आपको अगर अपने घर के सबसे चमत्कारी अनुभव से आपकी मुलाकात बाहरी दरवाजे पर हो?

पेश है गोदरेज के अल्ट्रा–स्टायलिश डिजाइनर हैंडल्स.

गोदरेज के हैंडल्स की डिजाइनर रेंज को बस एक ही इरादे के साथ बनाया गया है: आपकी धड़कनें बढ़ा देने के लिए. दिखने में आकर्षक होने के साथ–साथ ये हैंडल्स सुरक्षा को बढ़ाने तथा कामकाज को सुगम बनाने के लिए भी बने हैं. सीधे–सीधे कहें तो, ये डिजाइनर हैंडल्स आपके घर में स्वागत करने के लिए एक ख़ूबसूरत अंदाज़ है.

BM 01

NEH 16

NEH 17

1800 209 4543 | www.godrejlocks.com | GodrejLockingSolutionsandSystems

कारपेंटरी कार्य पर हमें गर्व, इसे कमतर नहीं समझें

विदेशों से फर्नीचर आयात पर जताया दुख

वड़ोदरा। इंटीरियर और समाजसेवा के स्तंभ नरसी समूह के सीएमडी नरसी कुलरिया ने कहा कि हमें सुथार शब्द पर गर्व है। हमारे दादा परदादा ने जो हमें सुथारी का काम सिखा कर गए हैं उसे कोई कमतर नहीं समझे।

वडोदरा में नवनिर्मित श्री विश्वकर्मा भगवान के भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि नरसी कुलरिया ने कहा कि समाज के बिना किसी आदमी की पहचान नहीं है। समाज के महत्व को समझना होगा। हम सबको सुथार शब्द पर गर्व होना चाहिए, सुथार शब्द को हमें अमर करना है। उन्होंने कहा कि मुझे इंटीरियर और सुथारी लाइन (कारपेंटरी व्यवसाय) में आने का शुरू से ही शौक था। यह हमारी इंडस्ट्री है, इसकी ओर ध्यान नहीं देंगे तो इसे कोई और ले जाएगा। समाज के लोग भले ही किसी भी क्षेत्र में जाएं लेकिन अपने पैतृक व्यवसाय सुथारी को नहीं भूले। उन्होंने कहा कि आज भी हमारे देश में एक लाख 20 हजार करोड़ रुपए का फर्नीचर विदेशों से आयात होता है। यह देख कर दुख होता है कि देश में फर्नीचर का पैतृक कारोबार करने वाले कारपेंटरी कार्य में निपुण और नवीन तकनीकों से लैस हम सुथार समाज के लोगों के होते हुए यह स्थिति बनी हुई है। नरसी ने कहा कि हमारा समाज संगठित और मजबूत बने इसके लिए समाज के लोगों को एकजुट होकर काम करना होगा। सबका साथ सबका विश्वास के साथ एक दूसरे का सहयोग करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज के हर सुख दुख में कुलरिया परिवार साथ खड़ा मिलेगा। नरसी कुलरिया ने भव्य आयोजन और समाज को एकजुट करने के लिए वड़ोदरा सुथार समाज का आभार व्यक्त किया। नरसी कुलरिया के वड़ोदरा पहुंचते ही लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इंटीरियर क्षेत्र में विश्वस्तरीय आयाम स्थापित कर चुके नरसी समूह के सीएमडी नरसी कुलरिया के साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए युवाओं में होड़ सी मच गई। नरसी के व्यक्तित्व से अभिभूत लोग आपस में चर्चा करते नजर आए कि सफलता के पायदान चढ़ने के बाद भी नरसी कुलरिया कितने सरल और जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति है। भामाशाह नरसी ने श्री विश्वकर्मा भगवान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पांच लाख रुपए भेंट किया। इस अवसर पर वडोदरा सांसद रंजनबेन भट्ट, वरिष्ठ समाजसेवी हीरालाल मांकड़, समाजसेवी सूरजमल मांकड़, अमराराम सुथार, गणेश सुथार, रामचंद्र उत्ता, हनुमान भद्रेचा, मदन मांकड़, त्रिलोक मांकड़, प्रदीप मांकड़, चंपालाल सुथार,भैरव सुथार, नथूराम सुथार, मोहनलाल कुलरिया, मोहन गांधीधाम, हेमराज मांकड़, पन्नालाल, दूलाराम दीपु खोखा, नवीन मांकड़ आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच का सूत्र संचालन प्रसिद्ध प्रस्तोता तिलोक एस. सुथार ने किया।

पीएम मोदी ने की कारपेंटर पिता की प्रशंसा

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 90 वें संस्करण में देश के युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन और उनके रिकॉर्ड के साथ उनके अभिभावकों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स की खास बात यह रही कि इस बार भी कई ऐसी प्रतिभाएं उभरकर सामने आई हैं, जो बहुत साधारण परिवारों से हैं। इन खिलाड़ियों ने अपने जीवन में काफी संघर्ष किया और सफलता के इस मुकाम तक पहुंचे हैं। इनकी सफलता में इनके परिवार और माता-पिता की भी बड़ी भूमिका है। कवेट लिफ्टिंग में गोल्ड जीतने वाले चेन्नई के एल. धनुष के पिता एक साधारण कारपेंटर हैं।

तमिलनाडु के रहने वाले वेटलिफ्टर एल. धनुष ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है और अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए पूरी जी जान से मेहनत कर रहे हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन इसलिए किया जाता है ताकि युवा खिलाड़ियों को अपनी काबिलियत दिखाने का मंच मिल सके। यहां से खिलाड़ियों को नई राह मिलती है और वह आगे बढ़ते हैं। धनुष के पिता वी लोकनाथन चेन्नई के थिरुवालुर में कारपेंटर हैं। लेकिन उनके दिल में खेल बसा है और वह अपने बच्चे को खेलों में नई ऊंचाइयां छूते हुए देखना चाहते हैं। धनुष ने 49 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। धनुष के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, लेकिन उनके पिता उन्हें किसी तरह की कमी नहीं छोड़ते। धनुष के पिता भी खिलाड़ी बनना चाहते थे लेकिन परिवार की माली हालत ठीक न होने के कारण उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। उन्होंने अपने बेटे को आगे बढ़ाने की ठानी और धनुष को दो बार के ओलिंपियन आर. चंद्रा के पास ले गए। मीडिया से बात करते हुए धनुष ने कहा कि मेरे पिता चाहते हैं कि मैं एक दिन ओलिंपिक पदक जीतूं। उन्होंने परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण खेलना छोड़ दिया था, लेकिन वो हमेशा अखबारों की कटिंग बचाकर रखते थे। जब वह मुझे चंद्रा सर के पास ले गए तो उन्होंने मुझे वेटलिफ्टर बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि वह मेरी डाइट के लिए पैसे कमाने के लिए अतिरिक्त काम करेंगे। वह हमेशा मेरे साथ रहते हैं चाहे स्थिति कुछ भी हो। और ये उनका गोल्ड मेडल है।

हस्तशिल्प कारीगरों को कर्ज देगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जल्द ही छोटे व मझोले उद्योगों के लिए नई नीति लेकर आ रही है। एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एमएसएमई सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश में एक बड़े ऋण मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में प्रदेश के करीब एक लाख से ज्यादा हस्तशिल्पियों कारीगरों व छोटे उद्यमियों को कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऋण मेले की शुरूआत लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे, जिसे उसी दिन प्रदेश के सभी जिलों में भी आयोजित किया जाएगा।

सचान ने कहा कि राज्य सरकार छोटे उद्यमियों और निवेशकों की सुविधा और प्रोत्साहन के लिये अनेक कदम उठा रही है। राज्य में निवेश करने वाले उद्यमियों को 72 घंटे के भीतर ही उद्योग के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र दिया जा रहा है। उद्यम शुरू होने के बाद उद्यमी को 1,000 दिन का समय सभी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल के दौरान राज्य में 96 लाख उद्यमियों को 2.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया गया और इस दौरान बड़े पैमाने पर राज्य में निवेश हुआ है। सचान के मुताबिक नई नीति में उद्यमियों को कई तरह की सुविधाएं दी जाएगी। अभी तक जिन उद्यमियों पर कर्ज होता था, उन्हें सब्सिडी की सुविधा नही मिल पाती थी, लेकिन नई नीति में इसे डिलिंक किया जा रहा है। अब जिन इकाइयों पर कर्ज है, उन्हें भी सब्सिडी मिलेगी।

शिव, वृक्ष एक समान - हरि चैतन्य पुरी

भरतपुर। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण जरूरी है। श्री हरिकृपा आश्रम, कांमा में श्रावण मास के पहले दिन पौधरोपण करते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शिव ने संसार के जीवों को बचाने के लिए विषपान किया था, उसी तरह वृक्ष भी कार्बनडाई आक्साइड जैसे जहरीले तत्व को अपने अंदर लेकर हमें जीने के लिए आक्सीजन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि हर शिवभक्त को श्रावण मास में पौधरोपण करना चाहिए। आज दुनिया ग्लोबल वार्मिंग जैसे खतरे से जूझ रहा है। भावी पीढ़ी को प्रदूषणमुक्त धरती देने का काम हम सबको करना होगा। पौधरोपण कर हम सबको पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना होगा।

सेकंड हैंड सोफा के अंदर से निकले 28 लाख रुपये

मुंबई। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहने वाली विक्की उमोडु नाम की एक महिला ने ऑनलाइन एक सेकंड हैंड सोफा मंगवाया, लेकिन घर पहुंचने के बाद सामान की जांच के दौरान उसे 28 लाख रुपए मिल गए। महिला अपने नए घर के लिए ऑनलाइन फर्नीचर ढूंढ रही थी। एक वेबसाइट पर उसे दो सोफा और एक मैचिंग चेयर दिखा। वेबसाइट पर यह फ्री में उपलब्ध था।

उमोडु ने बताया कि मुझे लगा है कि यह फेक होगा, लेकिन मैंने कॉल करने का फैसला किया। फ्री में फर्नीचर दे रहे फैमिली ने बताया कि हाल ही में उनके एक करीबी की मौत हो गई है। इसलिए हम प्रॉपर्टी की सभी चीजों को हटा रहे हैं। उमोडु ने आगे कहा मैं हाल ही में नए घर में शिफ्ट हुई हूं और यहां कोई सामान नहीं हैं। मैं बहुत एक्साइटेड थी, इसलिए मैंने

उस सोफा को ले लिया। सोफा जब घर पहुंचा तो वह उसकी जांच करने लगी। इसी दौरान कुशन में कुछ मिला। उमोडु ने इसके बारे में बताते हुए कहा कि मुझे लगा वह एक हीट पैड है। फिर उन्होंने कुशन का चेन खोला तो वह हैरान रह गई। उसमें कई एनवेलप थे। जिसमें कैश में हजारों डॉलर भरे हुए थे। फैमिली ने बताया कि उसमें करीब 28 लाख रुपए थे। उमोडु ने कहा कि पैसे मिलने के बाद मैंने तुरंत उस फैमिली को कॉल किया, जिन्होंने हमें फर्नीचर दिया था और उन्हें पैसे लौटा दिए। उमोडु ने आगे कहा कि भगवान की मुझ पर और मेरे बच्चों पर कृपा है, वह सब जिंदा हैं और अच्छे हैं। मेरे तीन खूबसूरत ग्रैंडचिल्ड्रन भी हैं, तो अब मैं भगवान से और क्या मांगूं। फर्नीचर देने वाली फैमिली को इस बात की जानकारी नहीं है कि मृत शख्स ने सोफे में इतनी बड़ी रकम क्यों छुपा रखी थी। पैसे वापस मिलने के बाद उस परिवार ने उमोडु को धन्यवाद देने के लिए करीब 2 लाख रुपए दे दिए।

NIKHIL

महाकोल जलवीर

Coverage: 48 – 53 sq. ft / kg

Ye Toh Chipak Gaya

बेहतरीन कवरेज

वॉटर प्रूफ एडहेसिव

महाकोल जलवीर के साथ पाए

कटर फ्री

Mahacol® jalveer

Mahacol®
The Right Adhesive

विजय कुमार दत्ता
सी.ई.ओ.

Since 1986

Suzu

An ISO 9001:2015 Certified Company | | CE Certified

सी.ई.ओ. संदेश

सुजू स्टील (इण्डिया) भारत की उन प्रमुख कंपनियों में से एक है, जिन्होंने लॉक्स और डोर हार्डवेयर फिटिंग्स के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है। सुजू ब्रांड की स्थापना 1986 में हरियाणा के रोहतक में श्री सुशील बंसल और श्री बृजभूषण बंसल के मार्गदर्शन में हुई थी। कंपनी ने विनिर्माण संयंत्रों को जोड़ने के साथ-साथ पूरे देश के बाजार में प्रवेश करने के मामले में जबरदस्त प्रगति की है। हमें यह देखकर गर्व हो रहा है कि श्री अनिमेष बंसल, (निदेशक) और श्री सचिन बंसल, (निदेशक) दोनों भारत में सूजू ब्रांड के भविष्य के बारे में बहुत प्रगतिशील और सकारात्मक हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान उनकी मार्गदर्शक शक्ति से, कंपनी ने 400 से अधिक वितरक विकसित किए हैं और 20000 से अधिक डीलरों के साथ सम्बन्ध स्थापित किया है। 'सुजू स्टील' सरकारी विभाग, बिल्डर्स और व्यापारिक संस्थानों के क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान कंपनी ने दुनियाभर में निर्यात के क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियों में विस्तार किया है। 'सुजू' का अर्थ है गुणवत्ता और व्यापार में वृद्धि। सुजू स्टील नेव्यापारिक संस्थानों, सरकारी विभागों और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सराहनीय कार्य किया है हम अपनी गुणवत्ता, सेवाओं में निरंतर सुधार कर रहे हैं और दुनिया भर में अपने नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। 'सुजू स्टील' अगले 5 वर्षों में भारत के उच्च श्रेणी के 4 हार्डवेयर ब्रांडों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का लक्ष्य लेकर चल रही है। हम अपने सभी ग्राहकों, व्यापार भागीदारों और उपभोक्ताओं को 'सुजू' ब्रांड के ताले और डोर हार्डवेयर उत्पादों पर विश्वास व समर्थन देने के लिए धन्यवाद देते हैं।

36 Growing Years

सफलता का मंत्र

हमारी पूरी सेल्स और एडमिन टीम उपभोक्ता को संतुष्टि प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम गुणवत्ता और सेवाएं देने में विश्वास करती है।
यही हमारी सफलता का मंत्र है।

विजय कुमार दत्ता 'सी.ई.ओ.'

~ Our Global Associates ~

DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

धर्मस्थल हमारी आस्था के प्रतीक - आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे देव स्थल श्रद्धा के केंद्र बिंदु होते हैं। यह भारत की आस्था के प्रतीक हैं। इन देव स्थलों में आस्था का मतलब राष्ट्रीय एकात्मकता है। मुख्यमंत्री हनुमंत धाम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर मंदिर के प्रांगण में स्थापित मूर्तियों का अनावरण किया। उन्होंने मंदिर प्रांगण में 108 फीट ऊंची हनुमान की मूर्ति का शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोमती नदी के तट पर स्थित इस प्राचीन मंदिर का पुनरुद्धार कार्य महंत रामसेवक दास के सान्निध्य में बजरंगबली की प्रतिमा के साथ ही अन्य दिव्य देवों को स्थापित करते हुए विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का आयोजन यहां सम्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर की बाहरी आभा से सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि यह मंदिर प्राचीन है। समय के अनुरूप पुनरुद्धार की कार्यवाही के माध्यम से श्रद्धालुजनों की भावनाओं को सम्मान देते हुए मंदिर के पुनरुद्धार का कार्यक्रम

किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देव मंदिर लोक कल्याण के माध्यम हैं। मंदिरों को लोक कल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर होकर चलना होगा। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य ने देश के चारों कोनों में चार पीठों की स्थापना की थी। साथ ही, देश में स्थापित द्वादश ज्योतिर्लिंग, 51 शक्तिपीठ, आस्था के केंद्र बिंदु के साथ ही भारत की एकात्मकता के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना का सामना देश और प्रदेश ने किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कोरोना कालखंड में महामारी से बचाव के साथ ही, खाद्य सुरक्षा की गारंटी भी प्रदान की गयी। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल में खाद्य सुरक्षा की गारंटी धर्म स्थल दिया करते थे। भारत की वैदिक परंपरा के संरक्षण का कार्य संस्कृत के अध्ययन व अध्यापन के साथ जोड़ना होगा। मंदिर परिसर एवं गोमती की विशेष साफ-सफाई पर ध्यान दिया जाए। गोमती नदी को अविरल बनाने के साथ ही इसके तटवर्ती क्षेत्रों में औषधीय वृक्षों को लगाने का भी कार्य किया जाए।

पीटी उषा समेत चार हस्तियां राज्यसभा के लिए मनोनीत

नई दिल्ली। दिग्गज एथलीट पीटी उषा, फिल्म संगीतकार इलैयाराजा, समाजसेवी

वीरेंद्र हेगड़े और फिल्म निर्देशक वी विजयेंद्र प्रसाद को राष्ट्रपति की ओर से राज्यसभा के लिए मनोनीत सदस्य बनाया गया है। इन सभी लोगों के राज्यसभा के लिए मनोनीत होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। इलैयाराजा को राष्ट्रपति की ओर से राज्यसभा के लिए मनोनित किए जाने पर पीएम मोदी ने कहा उनकी रचनात्मक प्रतिभा ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। उनकी कृतियां अनेक भावनाओं को खूबसूरती से दशार्ती है। उनकी जीवन यात्रा भी उतनी ही प्रेरक है। वह एक विनम्र पृष्ठभूमि से उठे और बहुत कुछ हासिल किया। खुशी है कि उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। वहीं दिग्गज एथलीट पीटी उषा को भी पीएम मोदी ने राज्यसभा के लिए मनोनीत होने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने कहा है कि एक तरफ जहां खेल में पीटी ऊषा की उपलब्धियां व्यापक रूप से जानी जाती हैं, वहीं पिछले कई सालों में नए एथलीटों का मार्गदर्शन करने का उनका काम भी उतना ही सराहनीय है। वीरेंद्र हेगड़े के भी बधाई देते हुए पीएम मोदी ने उनके कामों की सराहना की।

पूर्व पीएम अटल पर बायोपिक की घोषणा

मुंबई। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी नेता अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशती समारोह का आरंभ उन पर बनी एक हिंदी

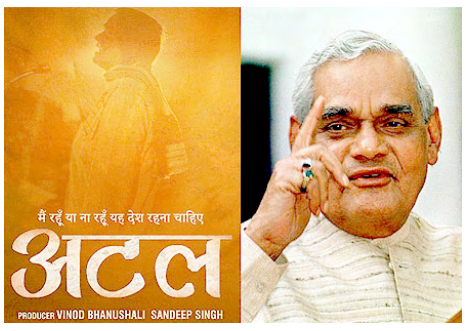

फिल्म से अगले वर्ष दिसंबर में होगा। 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में जन्मे अटल बिहारी वाजपेयी पर बनने वाली इस फिल्म का नाम है अटल और इसे बनाने के लिए दो दिग्गज फिल्म निमार्ताओं विनोद भानुशाली और संदीप सिंह ने हाथ मिलाया है। संदीप सिंह इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक पीएम नरेंद्र मोदी भी बना चुके हैं। फिल्म अटल के निर्देशक और फिल्म में अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाने वाले कलाकार का एलान जल्द ही होने वाला है। अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशती वर्ष की तैयारियां भारतीय जनता पार्टी के थिंक टैंक ने शुरू कर दी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक और आजीवन अविवाहित रहने वाले अटल बिहारी वाजपेयी ने सत्ता में आने से पहले विपक्ष के नेता के रूप में भी खूब सम्मान पाया और संयुक्त राष्ट्र में उनके हिंदी में दिए गए भाषणों का उल्लेख अक्सर राजनीतिक चचाओं में होता है।

फिल्म के एलान पर निमार्ता विनोद भानुशाली ने कहा कि मैं अपने पूरे जीवन अटल जी का सबसे बड़ा प्रशंसक रहा हूं। वह एक जन्मजात नेता, उत्कृष्ट राजनेता और दूरदर्शी थे। हमारे राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अद्वितीय है और यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है कि भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड उनकी विरासत को सिल्वर स्क्रीन पर ला रहा है।

यूपी विधान परिषद में कांग्रेस का वजूद खत्म

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में कांग्रेस के एकमात्र सदस्य दीपक सिंह का कार्यकाल समाप्त हो गया। इसी के साथ देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस का विधानमंडल के इस उच्च सदन में वजूद पूरी तरह खत्म हो गया है। वर्ष 1887 में वजूद में आयी प्रदेश विधान परिषद में कांग्रेस के एकमात्र सदस्य दीपक सिंह का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उच्च सदन में इस पार्टी का अब कोई भी सदस्य नहीं रह गया है। परिषद के 135 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब देश की सबसे पुरानी पार्टी का इस सदन में कोई सदस्य नहीं रह गया है।

कांग्रेस इस वक्त विधान परिषद में अपना कोई नुमाइंदा भेजने की स्थिति में भी नहीं है, क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में उसे 403 में से सिर्फ दो सीटों पर ही जीत मिली थी और उसे ढाई प्रतिशत से भी कम वोट मिले थे। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने इसे दुखद करार देते हुए कहा है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी का उच्च सदन में प्रतिनिधित्व शून्य हो जाना निश्चित रूप से अफसोस की बात है लेकिन यह लोकतंत्र है और इसमें जनादेश ही सर्वोपरि है। उन्होंने बातचीत में विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस स्थानीय निकाय और शिक्षक कोटे से होने वाले विधान परिषद चुनावों में मेहनत करके सदन में अपने सदस्य भेजने की कोशिश करेगी।

विधान परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गयी जानकारी के मुताबिक राज्य विधान परिषद का गठन पांच जनवरी 1887 को हुआ था और उसकी पहली बैठक आठ जनवरी 1887 को तत्कालीन इलाहाबाद के थार्नहिल मेमोरियल हॉल में हुई थी। वर्ष 1935 में पहली बार गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट के जरिये विधान परिषद को राज्य विधानमंडल के दूसरे सदन के तौर पर मान्यता मिली थी। शुरूआत में इस सदन में सिर्फ नौ सदस्य हुआ करते थे। मगर वर्ष 1909 में इंडियन काउंसिल अधिनियम के प्रावधानों के तहत विधान परिषद के सदस्यों की संख्या बढ़कर 46 हो गयी।

ओबीसी सर्टिफिकेट पर एक दिवसीय कार्यशाला

जम्मू। आल इंडिया बैकवर्ड क्लासेज फेडरेशन जम्मू कश्मीर यूनिट की ओर से बी. सी. रोड स्थित प्रजापति सभा हाल में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 30 छात्रों और 40 बड़े सदस्यों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञ बलवंत कटारिया ने सवालों के जवाब दिए। ओबीसी प्रमाण पत्रों के संबंध में सभी शंकाओं और भ्रमों को दूर किया गया। रूलिंग की हार्ड कॉपी अभ्यर्थियों को वितरित की गई।

कटारिया ने कहा कि अधिकांश ओबीसी लोगों के साथ साथ तहसीलदारों/ प्रमाण पत्र जारी करने वाले प्राधिकारी को भी रूलिंग के बारे में पता नहीं है और राजस्व कार्यालयों में अराजकता और भ्रम देखा गया है। भ्रम के कारण ओबीसी लोगों को आरक्षण का उचित लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि फेडरेशन ने पहले ही जम्मू प्रांत के सभी उपायुक्तों से एक बार स्पष्टीकरण जारी करने की अपील की है। ओबीसी फेडरेशन की ओर से यह प्रयास काफी कारगर

रहा। ओम कटारिया, एफसी सत्तिया, सुरिंदर सती, मुहम्मद शब्बीर, डॉ. अंजलि प्रजापति, राजेंद्र सिक्का, मदन बलदोत्रा, जीत सिंह प्रजापति, जोगिंदर अंगोत्रा, ऋतिक मालगोत्रा, नीतीश वर्मा आदि भी उपस्थित थे।

आकाश अंबानी बने रिलायंस जियो के चेयरमैन

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने रिलायंस जियो के निदेशक के पद से

इस्तीफा दे दिया है। रिलाइंस जियो इंडिया लिमिटेड ने नॉन एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर आकाश अंबानी की कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चेयरमैन के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। आकाश अंबानी के साथ पंकज मोहन पवार मैनेजिंग डायरेक्टर पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी के बोर्ड ने नए चेयरमैन और एमडी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

GREENPANEL®
MDF

ख़ूबसूरती कल्पना की।
मज़बूती एमडीएफ़ की।

अब कुछ भी बनाइये, बरसों चलाइये, ग्रीनपैनल के एमडीएफ़ के साथ। इसकी उच्चतम गुणवत्ता और समान्तर घनत्व/मोटाई आपके फर्नीचर को देती है लम्बी उम्र, और आपकी कल्पना को, एक नई उड़ान।

	मज़बूत और किफायती	उत्पादन की कम लागत	बोर्ड की सही मोटाई का भरोसा	कई गुना बेहतरीन फिनिश	जानी मानी ब्रैंड का भरोसा	आफ़्टर सेल सर्विस
ग्रीनपैनल एम.डी.एफ.	✓	✓	✓	✓	✓	✓
लोकल प्लाईवुड	✗	✗	✗	✗	✗	✗

GREENPANEL®
MDF

मज़बूती का वादा
MDF चले ज़्यादा।

INDIA'S LARGEST WOOD PANEL MANUFACTURER

मज़बूत और टिकाऊ
फंगस प्रूफ और दीमक प्रतिरोधक
स्क्रू कसने में सुविधाजनक

मुख्य उपयोग : • किचन कैबिनेट्स • वार्डरोब • बाथरूम कैबिनेट्स • फर्नीचर • पार्टीशन और पैनलिंग

Greenpanel Industries Limited : 3rd Floor, Plot No. 68, Sector 44, Gurugram 122003, Haryana. T +91 124 4784600 | E info@greenpanel.com
www.greenpanel.com I Toll Free No. 1800 102 2999

विश्वकर्मा मंदिर का स्थापना दिवस मनाया गया

कठुआ। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के डडवारा (बिलावर) गांव में स्थित विश्वकर्मा मंदिर का वार्षिक स्थापना दिवस समारोह भक्तिभाव के साथ मनाया गया। अंबाला से आए हुए कथावाचक दर्शन धीमान और उनके सहयोगी मोनू धीमान ने विश्वकर्मा मंदिर में सत्संग किया और स्थापना दिवस को अपने मधुर भजनों से रोचक बना दिया। उपस्थित जनसमुदाय ने धीमान की कथा और चालीसा को खूब सराहा।

डड़वारा गांव के इस मंदिर निर्माण में यशपाल बारनी, जिला न्यायाधीश का भगवान विश्वकर्मा पर अगाध श्रद्धा है। इस मंदिर निर्माण में उनका योगदान प्रमुख है। समारोह में जम्मू शहर से प्रदेश विश्वकर्मा सभा के प्रधान शशी वर्मा, सचिव विजय कुमार, सतपाल और दर्शन सिंह आदि पहुंचे। डिगियाना यूनिट से रामपाल चरगोत्रा, उद्योगपति कुलदीप कल्गोत्रा, डॉ. अजीत कुमार, पुरुषोत्तम सलगोत्रा शामिल हुए। कठुआ से मास्टर कर्मचंद, करतार सिंह वर्मा, मास्टर जसवंत राज भगवान विश्वकर्मा के दर्शन करने आये। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू की ओर से बलवंत कटारिया, ओम कटारिया, जोगिंदर अंगोत्रा, परवीन लता, सुमन लता, कृतिका कटारिया, हर्षदेव विश्वकर्मा और संतोष कुमारी शामिल हुए। उन्होंने वहां उपस्थित श्रद्धालुओं

में विश्वकर्मा मैगजीन और कलेंडर बांटे। लाइब्रेरी की टीम ने बिलावर निवासी कैप्टन तारा चंद को आजीवन सेवा के लिए ट्राफी भेंटकर सम्मानित किया। बिलावर गांव के स्थानीय लोग और विश्वकर्मा वंशी भारी संख्या में भगवान श्री विश्वकर्मा के दर्शन करने और प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। संस्थापक सदस्य डॉ. ताराचंद, ओमप्रकाश बोर्ने, ओमप्रकाश वर्मा, जनक वर्मा, के. के. खजुरिआ, रतनचंद बोरनी, पूर्णचंद (तहसीलदार रिटायर्ड), कैप्टन नेकराम, तीर्थराम, केवलकृष्ण, प्रीतम बोरनी, विजय बोरनी, चरणदास शास्त्री आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा जन संगठन ने किया थाने का घेराव

ग्वालियर। विश्वकर्मा मोहल्ला में स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर में मूर्ति खंडित किये जाने के विरोध में विश्वकर्मा जन संगठन ने आंतरी पुलिस स्टेशन का घेराव किया। 1 जुलाई को किसी अज्ञात व्यक्ति ने

मंदिर परिसर में प्रतिष्ठापित मूर्ति को खंडित कर दिया था। विश्वकर्मा समाज के लोगों ने संबंधित थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। घटना के 24 घंटे बाद भी आरोपी का कोई सुराग नहीं मिलने से नाराज विश्वकर्मा समाज के लोगों ने थाने का घेराव किया। थाना प्रभारी द्वारा आरोपी का पता लगाने का आश्वासन देने के बाद विश्वकर्मा समाज ने प्रदर्शन बंद किया।

विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष मनोज विश्वकर्मा ने कहा कि आंतरी पुलिस प्रशासन द्वारा कोई आगे की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ती है तो विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश द्वारा ग्वालियर एस पी ऑफिस का घेराव कर कानूनी कार्यवाही की मांग की जाएगी। इस अवसर पर गब्बर विश्वकर्मा, सुल्तान विश्वकर्मा, छबिराज विश्वकर्मा, सुदामा विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, आसाराम गौड़, राजेंद्र विश्वकर्मा, भीमाराम विश्वकर्मा, संदीप विश्वकर्मा, गौतम विश्वकर्मा, कपिल विश्वकर्मा, रितिक विश्वकर्मा, मुकेश विश्वकर्मा, जितेंद्र विश्वकर्मा, आसाराम गौड़, मोनू गौड़, रवि गौड़, राजेन्द्र गौड़, अजय गौड़, चंद्रभूषण गौड़, अशोक गौड़, मोनू गौड़, बालकृष्ण गौड़, घनश्याम विश्वकर्मा, मोहन गौड़, सुनील विश्वकर्मा, कमल विश्वकर्मा, रामबरन विश्वकर्मा, नरेश विश्वकर्मा, बसंत विश्वकर्मा, सोनू गौड़, पीतम पांचाल, महेंद्र गौड़, नरेंद्र गौड़, नरेंद्र विश्वकर्मा, वीरेंद्र विश्वकर्मा, भगवती प्रसाद विश्वकर्मा, जगदीश विश्वकर्मा, गंगाप्रसाद विश्वकर्मा, रामगोपाल विश्वकर्मा, अजय विश्वकर्मा, सुमित विश्वकर्मा, अंकित विश्वकर्मा, सुदामा गौड़, गोपी गौड़, रमेश गौड़, संजय विश्वकर्मा, महेश विश्वकर्मा, बालकिशन विश्वकर्मा, हरिकृष्ण विश्वकर्मा, रामसेवक विश्वकर्मा, धर्मेंद्रकुमार विश्वकर्मा, दामोदर विश्वकर्मा, राजीव विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, हरेंद्र गौड़, बल्लू गौड़, रविंद्र गौड़, पप्पू विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, गौतम विश्वकर्मा, बंटी विश्वकर्मा, लखन गौड़, लखन विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, नितेश विश्वकर्मा, रमेश कुमार गौड़ आदि उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा लाइब्रेरी का कॉपी प्रोजेक्ट संपन्न

जम्मू। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लॉट जम्मू 2009 में अस्तित्व में आई थी और तब से ही शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सारी गतिविधियां करती रहती है। लाइब्रेरी की ओर से वार्षिक मैगजीन, क्विज कंपटीशन, इंजीनियरिंग के लिए कोचिंग देना, समय-समय पर सामान्य मुद्दों पर कान्फ्रेंस और बहस कराना, अपने समाज के लेखकों और कवियों का सम्मेलन कराना, कला से जुड़े हुए लोगों को सम्मानित करना, नारी शक्तिकरण जैसे होते रहते हैं।

वर्ष 2020 में बलवंत कटारिया ने एक प्रस्ताव रखा कि एक नोटबुक तैयार की जाये जिसके आखिरी पन्ने पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का चित्र एक बाल मजदूर को कलम दिखाते हुए कहता है कि तुम पढ़ाई करो और एक सम्मानजनक जीवन जियो। कवर के अंदर प्रेरक कोटशन लिखे जाने चाहिए। पहले कवर पेज पर पुस्तकालय का लोगो और अंदर भारत के प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों के नाम अंकित होंगे। प्रस्ताव को 2020 में सदन द्वारा मंजूर किया गया और 1100 नोट बुक बनाए गए। इस परियोजना को कॉपी प्रोजेक्ट नाम दिया गया। इसे औपचारिक रूप से 2020 में लॉन्च किया गया। कॉपी प्रोजेक्ट का उद्देश्य यह था कि गरीब बच्चों को यह सामग्री निःशुल्क में दिया जाये, बच्चों और माता-पिता को शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाए। इस नोट बुक्स का वितरण जम्मू प्रांत के सुदूर इलाकों में किया गया।

सावित्री बाई फुले मॉडर्न पब्लिक स्कूल में वितरण हुआ और करीब सौ बच्चों को रजिस्टर कर लिया गया। उनका एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर उन्हें प्रतिदिन नई जानकारी दी जा रही है। इनकी समस्याओं को भी इस व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से हल किया जा रहा है। 31 मार्च 2022 को इस कॉपी प्रोजेक्ट समाप्त घोषित किया गया। इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में रमेश अंगोत्रा, मोहिंदर लाल, बलवंत कटारिया,ओम कटारिया, जोगिंदर अंगोत्रा, राजकुमार चलोत्रा, विशाल करोत्रा आदि का विशेष योगदान रहा।

विश्वकर्मा समाज का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : रामआसरे

शिवप्रकाश विश्वकर्मा

लखनऊ। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक दारूलसफा लखनऊ ए-ब्लॉक के कामनहाल में संपन्न हुई। महासभा के संगठन को जन जन तक ले जाने, महासभा का सक्रिय सदस्य बनाने, महासभा की जनपदों की कमेटियों को मजबूत करने तथा आगामी नवंबर महीने में शिल्पकार महासभा का प्रांतीय अधिवेशन लखनऊ में करने का निर्णय लिया गया। कार्यकारिणी की बैठक में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्वमंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के विश्वकर्मा समाज को हमारे संगठन से काफी उम्मीदें हैं। महासभा के पदाधिकारियों को विश्वकर्मा समाज के उत्पीड़न और अत्याचार की लड़ाई लड़ने के लिये और समाज की मदद करने के लिये आगे आना होगा।

विश्वकर्मा ने कहा कि महासभा का संगठन अपने विश्वकर्मा समाज की जातीय जनगणना स्वयं कराये ताकि समाज की वास्तविक जनसंख्या का पता लग सके। बैठक में समाज के पदाधिकारियों और नौजवानों का प्रशिक्षण शिविर चलाने तथा कैडर बनाने पर जोर दिया गया। उन्होंने सभी मंडल प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे जनपद में होने वाली महासभा की मासिक बैठकों को सुनिश्चित कराएं तथा उसमें स्वयं उपस्थित होकर जनपद के संगठन की समस्याओं का निराकरण करें।

उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज नगरपालिका के चुनाव लड़ने की तैयारी अभी से करे ताकि ज्यादा से ज्यादा समाज के लोग नगरपालिका व टाऊन एरिया के चुनाव में जीत सकें। उन्होंने शिल्पकार समाज की सभी जातियों व उपजातियों को शिल्पकार महासभा के संगठन से जोड़ने के लिये प्रदेश जिला व विधानसभा स्तर पर पदाधिकारी बनाने व हर कार्यक्रम

में जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अगस्त से तीन महीने तक लगातार विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा का सदस्यता अभियान चलाकर पूरे प्रदेश में विश्वकर्मा समाज का ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाया जायेगा। उत्पीड़न के सवाल पर उन्होंने कहा कि जौनपुर की घटना स्थल केवटही गांव और बागपत की घटना स्थल बाछौड गांव में स्वयं जायेंगे तथा पीड़ित परिवार से मिलकर उनकी मदद करेंगे। समाज के ऊपर अत्याचार व उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेंगे तथा सड़कों पर उतर उसकी लड़ाई लड़ेंगे।

बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा ने किया। कार्यकारिणी की बैठक में राष्ट्रीय सचिव शशिकांत शर्मा रायबरेली, सदस्य पवन झा झांसी, आशुतोष विश्वकर्मा प्रदेश अध्यक्ष विश्वकर्मा ब्रिगेड बिजनौर, महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष गण सूरजबली विश्वकर्मा उपाध्यक्ष कानपुर, रामअवतार विश्वकर्मा उपाध्यक्ष गाजीपुर, शिवकुमार विश्वकर्मा उपाध्यक्ष गोंडा, प्रदेश सचिवगण श्यामजी विश्वकर्मा प्रदेश सचिव संतकबीर नगर, हरेन्द्र विश्वकर्मा सचिव गाजीपुर, दानकिशोर विश्वकर्मा सचिव लखनऊ, सरदार बलविन्दर धीमान सचिव मुजफ्फरनगर, महेन्द्र विश्वकर्मा सचिव प्रयागराज, छोटेसिंह विश्वकर्मा सचिव कानपुर, अरुणकुमार सोनी सचिव गोंडा, राजकुमार विश्वकर्मा सचिव प्रतापगढ़, सदस्यगण बलराम विश्वकर्मा गाजीपुर, अनिल विश्वकर्मा लखनऊ, ओमप्रकाश विश्वकर्मा बाराबंकी, रवीन्द्र विश्वकर्मा लखनऊ, मनीराम विश्वकर्मा गोंडा, महेश विश्वकर्मा जालौन, रामभजन विश्वकर्मा आदि ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे।

कारपेन्टर/कोन्ट्राक्टर भाइयों के लिये टोकन / कटर मशीन / ड्रील मशीन ऑफर

EURO 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

अब
800 Gm
पाउच में उपलब्ध

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

ड्रम पैक	ऑफर
यूरो एडहेसिव WP 2IN1 के एक ड्रम पर पाइये स्पेशल ऑफर 800 Gm X 70 Nos	15 Rs. टोकन / पाउच अथवा कटर मशीन अथवा ड्रील मशीन

15 Rs/- टोकन / पाउच

अथवा

अथवा

विश्वकर्मा गांव से खुलेंगे कारीगरों के विकास के रास्ते

गोंडा। प्रधानमंत्री विकास योजना के तहत परंपरागत कारीगरों के विकास के लिए विश्वकर्मा गांव का चयन किया जाएगा। अल्पसंख्यक बाहुल्य ऐसे गांव जहां परंपरागत कारीगरी के जरिए आजीविका चलाई जाती है, उन गांवों को पर्यटन स्थल से जोड़ने के साथ ही तरक्की की नई दास्तान लिखी जाएगी। इसके लिए प्रधानमंत्री विकास योजना शुरू की गई है। इसके तहत विश्वकर्मा गांव का चयन किया जाएगा।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग गांवों का चयन करके पब्लिक को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने लिए परियोजनाएं तैयार कराएगा। गांवों के चिन्हांकन की जिम्मेदारी बीडीओ को सौंपी गई है। विश्वकर्मा गांव में कला, शिल्प, कौशल, विरासत, पर्यटन जैसे कार्य भी प्रस्तावित होंगे। विश्वकर्मा गांव के चयन लिए गांव में कम से कम 25 प्रतिशत अल्पसंख्यक आबादी के साथ 50 परिवार कारीगरी से जुड़े होने जरुरी हैं। उ. प्र. की राजधानी से गांव की दूरी 200 किमी होने और गांव के आसपास कोई बड़ा पर्यटन या धार्मिक स्थल भी होना चाहिए। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार ने वर्ष 2008-09 में अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाके में विकास कार्य कराने के लिए मल्टी सेक्टोरल डेवलेपमेंट प्रोग्राम शुरू किया था। पहले चरण में यह योजना देश के 90 जिलों में शुरू की गई। वित्तीय वर्ष 2017-18 में इस योजना का नाम बदलकर प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम कर दिया गया। दूसरे चरण में इस योजना को 308 जिले, 870 विकासखंड व 321 नगर क्षेत्र में लागू किया गया। वित्तीय वर्ष 2022-23 में इस योजना की अवधि वित्तीय वर्ष 2025-26 तक के लिए बढ़ाने के साथ ही सभी जिलों में लागू करने का फैसला किया गया है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत अब कई नए क्षेत्रों को भी शामिल किया किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कौशल के अलावा खेल, स्वच्छता, शहरी क्षेत्रों में पेयजल, सौर ऊर्जा, वर्किंग वूमेन हास्टल, मैटरनिटी वार्ड, गर्ल्स कालेज, गर्ल्स हास्टल का भी निर्माण कराया जाएगा। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम की अवधि वित्तीय वर्ष 2025-26 तक के लिए बढ़ा दी गई है।

आइकिया स्टोर में ग्राहकों की भारी भीड़

बेंगलुरू। स्वीडन की नामी फर्नीचर कंपनी आइकिया का 22 जून को बेंगलुरू में स्टोर खुलते ही ग्राहकों की ऐसी भीड़ लगी, जिसे संभालना स्टोर मैनेजमेंट के लिए मुश्किल हो गया। आइकिया स्टोर में घुसने के लिए भी लोगों को लगभग 3 घंटे इंतजार करना पड़ा। अपने स्टोर को मिले इस रिस्पॉन्स की जानकारी आइकिया ने अपने ट्विटर हैंडल से दी। ट्वीट में आइकिया ने कहा- बेंगलुरु शहर में मिले रिस्पॉन्स से हम बहुत खुश हुए, स्टोर में 3 घंटो से ज्यादा वेटिंग टाइम लगेगा। स्टोर में आने से पहले प्लान करें या आनॅलाइन खरीदी करें। बेंगलुरु के नागासंद्रा इलाके में आइकिया की दुकान खुली है।

EURO 7000 PVC Glue PVC to WOOD Adhesive
PVC Laminates
Acrylic Laminates
Pre Edge Banding Tapes
JYOTI RESINS & ADHESIVES LIMITED
E-mail : info@euro7000.com | Website : www.euro7000.com

OZONE FOR A SAFER WORLD

किचन को
— जैसे भी —
मिसयूज़ करो

हम सब संभाल लेंगे

ओजोन ने जीता अपने कस्टमर्स का दिल, अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस से

ओजोन आर्किटेक्चरल हार्डवेयर की दुनिया में एक प्रमुख नाम है और इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी सेगमेंट में एक उभरता और लोकप्रिय ब्रांड है. हम 20 देशों में आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, स्पेसिफायर्स और होम ओनर्स के लिए इनोवेटिव टेक्नोलॉजी से उपयुक्त समाधान प्रदान करतें हैं. हमारे वर्ल्ड-क्लास भरोसेमंद प्रोडक्ट्स चले सालों साल, बिना रुकावट के.

ओजोन और इंडियन किचन का बेजोड़ कनेक्शन किसी ही जर्मन किचन से मुकाबले में नहीं है कम.

ज्यादातर ब्रांड्स जर्मन किचन का ज़िक्र करतें हैं, पर ओजोन ने अपनी परफॉरमेंस की बदौलत भारतीयों का दिल जीता. इंडियन परिवार ज्यादातर बड़े होते हैं और सभी सदस्यों के किचन को इस्तेमाल करने का ढंग एक दुसरे से बिलकुल अलग होता है. कोई पैंट्री आराम से खोलता है, तो कोई मुक्के से बंद करता है. कोई शेल्फ डोर्स लात मार के बंद करता है, तो कोई कड़छी से ड्रॉर खींचता है. और बच्चें भी ड्रॉर में बैठ के खेलते देखे जा सकतें हैं यह सारे इस्तेमाल के तरीके किचन में लगी फिटिंग्स पर ज़ोर डालते हैं.

और सभी ब्रांड इस खींच तान को झेलने की क्षमता नहीं रखते.

हम सब संभाल लेंगे

दुसरे ब्रांड्स की किचन फिटिंग्स इस्तेमाल में सावधानी बरतने वाली वैधानिक चेतावनी के साथ आते हैं. पर ओजोन रहे सबसे बेखौफ. अब आप किचन को उसी तरह इस्तेमाल कीजिये जैसे आप उसके आदि हैं. हम आपके हर तरह के प्रेशर को संभाल लेंगे.

किचन अगर मॉडुलर हो गया है तो क्या, आप टूट फुट से रहें बेफिक्र. आपका किचन नहीं देगा आपको किसी शिकायत का मौका.

हमारे प्रोडक्ट्स इतने मज़बूत हैं की यह हर तरह के प्रेशर को झेल सकतें हैं. और यह आश्वासन सिर्फ एक दवा नहीं एक वि वास है जिसके पीछे है हमारे प्रोडक्ट्स की जबरदस्त क्वालिटी, और सर्वोत्तम मटेरियल जिन से हम इनको मैन्यफैक्चर करतें हैं. यह हजारों टेस्ट साइकल्स की कठोर से कठोर जांच क्रिया से गुजारके ही आपके घर पहुँचते हैं. हमारे प्रचार से भी ज्यादे हमारे हैप्पी कस्टमर्स अपनी तारीफ से इन्हे बेचने में हमारा साथ देतें हैं, तभी यह इतनी तादाद में बिकते हैं. हमने केवल अपनी क्वालिटी और परफॉरमेंस से अपने ग्राहकों का दिल जीता है.

आप जैसे भी यूज़ करो हम सब संभाल लेंगे

व्हाई ओजोन प्रोडक्ट्स?

ओजोन के प्रोडक्ट्स डयूरेबल हैं और अपने हाई परफॉरमेंस और भरोसे का कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं. हम इन्हे विकसित टेक्नोलॉजी और नवीनतम प्रक्रियाओं से बनाते हैं. इनका डिजाईन इंडियन किचन को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि यह हर तरह के इस्तेमाल को झेल सकें. हम आपके किचन का वर्कलोड काम तो नहीं कर सकते पर आपकी किचन की परफॉरमेंस, उसपे लगने वाली लागत, उसकी डयूरेबिलिटी

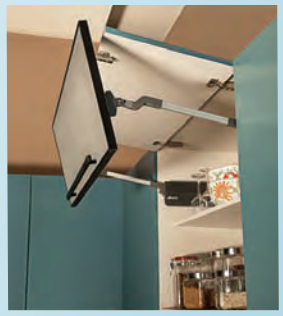

की चिंताएं ज़रूर घटा सकतें हैं ताकि आप सुकून से रह सकें.

Get in touch for any product related queries:
Ozone customer care: +91 9310012300 (Call/WhatsApp), Visit: www.ozone-india.com

ब्रिटिश कोलंबिया दुनिया का सबसे बड़ा लकड़ी निर्यातक

कैनेडियन वुड के बहुपयोगिता पर वेबिनार

मुंबई। कैनेडियन वुड की ओर से कैनेडियन वुड-वसेर्टाइल, सस्टेनेबल एंड लीगल पर विचारोत्तेजक वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में कनाडा की लकड़ी की किस्मों और स्थिरतापूर्ण तरीके से प्रबंधित वनों से प्राप्त प्रामाणिक लकड़ी का विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। वेबिनार में विभिन्न उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया और सत्र के दौरान अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि कंक्रीट या ईंट जैसी किसी अन्य लोकप्रिय निर्माण सामग्री की तुलना में लकड़ी एक बेहतर विकल्प क्यों है। उन्होंने लकड़ी, उसकी सोर्सिंग और परिवहन के दौरान पर्यावरण को इससे होने वाले लाभ से जुड़े कई मिथकों की सच्चाई उद्घाटित की।

पैनलिस्टों ने बताया कि कैसे लकड़ी पर्यावरण के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकती है यदि उसे स्थायी रूप से प्राप्त किया जाता है और उसके जीवन का विस्तार करने के लिए उसकी देखभाल की जाती है।

फॉरेस्ट्री इनोवेशन कंसल्टिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कंट्री डायरेक्टर प्रणेश छिब्बर ने कहा कि मुंबई, दिल्ली एनसीआर और बैंगलोर स्थित अत्यधिक कुशल तकनीकी वाणिज्यिक टीम के माध्यम से कैनेडियन वुड लक्षित लोगों तक पहुंचता है। कैनेडियन वुड 23 शहरों में फैले 41 स्टॉकिस्टों के पास उपलब्ध है। जागरूकता बढ़ाने के लिए कैनेडियन वुड लगातार शैक्षिक सेमिनार, नेटवर्किंग कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित करता है। ट्राय कैनेडियन वुड प्रोग्राम के तहत उत्पादों का परीक्षण करके उसे दिखाता है।

एफआईआई के सहायक निदेशक डॉ. जिमी थॉमस ने कहा कि कैनेडियन वुड ने विभिन्न अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करके सतत वन प्रबंधन और लकड़ी के बहुपयोगी स्वरूप की पहचान कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसकी स्थिरता, टिकाऊपन, अच्छी तरह से पेंच का बैठना और मजबूती कैनेडियन वुड को बहुपयोगी बनाता है।

एफआईआई के तकनीकी सलाहकार पीटर ब्रैडफील्ड ने कहा कि भारत को टिकाऊ लकड़ी के आपूर्तिकताओं की एक बड़ी जरूरत है, क्योंकि स्थानीय ग्राहक लकड़ी के उत्पादों के निर्माण के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हुए व्यवसायों से इसकी अधिक मांग कर रहे हैं। इस प्रकार लकड़ी को सामग्री के रूप में उपयोग करना पर्यावरण के अनुकूल है। आपको हमेशा प्रामाणिक लकड़ी ही लेनी चाहिए, क्योंकि यह कानूनसम्मत होता है और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिस स्रोत से लकड़ी आ रही है उसका पता रहे। दुनिया के केवल 10 प्रतिशत वन प्रमाणित हैं और अकेले कनाडा के पास दुनिया के 40 प्रतिशत से अधिक वन प्रमाणन हैं। ब्रिटिश कोलंबिया के कनाडाई प्रांत को स्थायी वन प्रबंधन में दुनिया भर में अग्रणी माना जाता है, जो पर्यावरण, समाज और अर्थशास्त्र के संदर्भ में वर्तमान और अगली पीढ़ियों की मांगों को पूरा करता है।

अमित विश्वकर्मा ने हिमालय पर फहराया तिरंगा

कटनी। बरही के रहने वाले पर्वतारोही अमित विश्वकर्मा ने एक बार फिर हिमालय की ऊंचाई को अपने हौसलों से नापा है। अमित ने अपनी पर्वतारोहण की यात्रा को जारी रखते हुए हिमाचल रेंज की 16 हजार 730 फीट ऊंची क्षेतिदार कैम्पिन पीक को फतह किया है। पर्वतारोहण संस्थान, मनाली में एक माह की ट्रेनिंग का आयोजन किया गया था। इस ट्रेनिंग में देश भर के 96 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें से 54 ने ही सफलता हासिल की। अमित विश्वकर्मा ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए सफलता हासिल की और प्रदेश का गौरव बढ़ाया। अमित विश्वकर्मा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता मन्नूलाल विश्वकर्मा और मां रश्मि विश्वकर्मा को दिया है। प्रारंभ में सोलांग हिल की 21 किमी की चढ़ाई की। सोलंग हिल की चढ़ाई के बाद बकर्ताच बेस कैंप के प्रवेश स्थल से बखीम ट्रेक के दौरान 30 किलो के वजन के साथ 7 घण्टे का लगातार सफर तय करने के बाद 12000 फीट की ऊंचाई पर पहुंचे। बकरताच कैंपिन बेस कैंप से रोजाना आइस

क्राफ्ट ,स्नो क्राफ्ट और और रेस्क्यू क्रिवेस जैसी ट्रेनिंग के लिए 10000 फीट की ऊंचाई तय कर ट्रेनिंग में मनाली 26 दिन का कैंप किया और क्षेतीदार कैंपिन 16730 फीट ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराया।

E3 PVC EDGE BAND TAPE

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद

भारत में निर्मित
रहे हमेशा नई जैसी
लगाने में आसान, कभी न उतरे
बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से

1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

E3
elegant | everlasting | economical

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com

DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

तुकाराम महाराज के शिला मंदिर का उद्घाटन

पुणे। महाराष्ट्र के महान संत तुकाराम महाराज के शिला मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि विकास और विरासत दोनों एक साथ आगे बढ़े। केदारनाथ, काशी विश्वनाथ मंदिर, हैदराबाद में श्री रामानुजाचार्य की प्रतिमा लोकार्पण के बाद संत तुकाराम महाराज के शिला मंदिर का लोकार्पण भी इसी कड़ी में जुड़ गया है।

संत तुकाराम वारकरी संप्रदाय के संत और कवि थे, जिन्होंने अभंग भक्ति कविता और कीर्तन के रूप में जाने जाने वाले आध्यात्मिक गीतों के माध्यम से बड़े पैमाने पर लोगों को जागृत करने का काम किया था। कहा जाता है कि देहू में रहने वाले संत तुकाराम ने ही महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन की नींव डाली थी। न केवल वारकरी संप्रदाय, बल्कि दुनिया भर के साहित्य में उनकी जगह असाधारण है। उनके अभंग अंग्रेजी में भी अनुवादित हुए हैं। संत तुकाराम, विट्ठल यानी भगवान विष्णु के परम भक्त थे और वैष्णव धर्म में उनकी आस्था थी। संत तुकाराम के भक्तिपदों में कई रचनाएं आज भी मौजूद हैं। भारत सरकार ने 2002 में उनकी याद में 100 रुपये का चांदी का सिक्का जारी किया था।

इलेक्ट्रिक आरा मशीन में उतरा करेंट, कारपेंटर की मौत

गाजीपुर। क्षेत्र के मौधा बाजार में कारपेंटर का करने वाले दीनानाथ विश्वकर्मा की करेंट लगने से मौत हो गई। माता-पिता के इकलौते संतान चालीस वर्षीय दीनानाथ अपने मौधा स्थित मकान में लकड़ी के फर्नीचर आदि बनाने का कार्य करते थे। टेबल बनाते समय लकड़ी के एक बड़े टुकड़े को चीरने के लिए इलेक्ट्रिक आरा मशीन लगाया। आरा मशीन पर दबाव बनाने के लिए दीनानाथ दोनों हाथों से लकड़ी पकड़कर पेट के सहारे आरा मशीन के कटर को धक्का देने लगे।

कटर मशीन में उतर रहे करेंट की वजह से इलेक्ट्रिक कटर दीनानाथ के पेट में चिपक गई। पास बैठा बड़ा बेटा दुर्गेश दौड़कर बिजली सप्लाई को काटकर पिता को अलग किया। दीनानाथ के पिता मंगला प्रसाद उनको लेकर चिकित्सकों के पास पहुंचे, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दीनानाथ अपने पीछे पत्नी प्रमिला व दो बेटों के साथ एक बेटी छोड़ गए हैं।

मुंबई प्रवास के दौरान सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने भायंदर स्थित श्री विश्वकर्मा धाम में पहुंचकर भगवान श्री विश्वकर्मा जी का दर्शन किया। इस अवसर पर मंदिर के ट्रस्टीगण व वंश सुथार समाज के सदस्यों ने साफा श्रीफल देकर जांगड़ा का सम्मान किया।

भारतीय संस्कृति में गुरु का महत्व सर्वोपरि है। लौकिक शिक्षा एवं अध्यात्मिक संस्कारों का रोपण कर मानव की चेतना को हृदयस्थ परमात्मा का साक्षात्कार करा देने वाला गुरु ही वास्तविक गुरू है।

गुरु महिमा

गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है- बन्दउ गुरु पद कंज कृपा सिंधु नर - रूप हरि, महा मोहतम पुंज जासु बचन रविकर निकर। अर्थात मैं गुरु पद कमल की वंदना करता हूं, सद्गुरु कृपा सिंधु नर रूप में प्रकट श्री भगवान की शक्ति हैं, जैसे सूर्य की किरणों से जगत का अंधियारा दूर हो जाता है, उसी प्रकार श्रीगुरु के सदोपदेश रूपी किरणों से अन्तःकरण (मन) में व्याप्त महामोह रूपी अंधकार पल मात्र में दूर हो जाता है।

गुरु वह है जिसका अन्तःकरण सदा सर्वदा भगवत शांति से परिपूर्ण हो। सद्गुरु वह है जिसका अपनी इन्द्रियों एवं मन में पूर्ण नियंत्रण हो और अनेक आध्यात्मिक दैवीय शक्तियों का प्रकट पुंज हो। सद्गुरु का जीवन सादगी से युक्त हो। शास्त्रों का ज्ञाता होने के साथ तत्व बोध, निजानन्द अपने आत्मस्वरूप में स्थित हो। निलोभी हो, यज्ञ, तप, दया, दान में रत हो। मितभाषी, मृदुभाषी देहाभिमान से रहित हो। गुरु वह है जो शिष्य को तत्व बोध के साथ लौकिक जीवन की भी सही दिशा प्रदान करे। गुरु शिष्य को भगवत नाम का अमोध साधन प्रदान करते हैं जिससे शिष्य के अन्तःकरण में आध्यात्मिक शांति का प्राकट्य होता है, लौकिक बाधाओं का निवारण होता है, अन्तयार्मी परमात्मा द्वारा बुद्धि एवं मन में दिव्य भावों का सतत स्फुरण होता है, जीवन पथ के अवरोधों की निवृत्ति होती है। उचित मार्ग निर्देशन होता है।

सद्गुरु की सन्निधि की सतत अनुभूति होती है, मानव शरीर परमात्मा का देवालय है। इस मानव शरीर में आत्मारूप से शिव सदा विराजमान हैं। बुद्धि ही भगवती, श्रुति रूपी पार्वती हैं संयमित सात्विक आहार ही आत्मारूपी शिव को भोग लगाने के समान है। हाथों से सत्कर्म करना ही विराट रूप परमात्मा शिव की सेवा करना है, कानों से भगवत कथामृत, वेद वाणी, संत वाणी का पान करना ही कान द्वारा रसामृत का पान करना है। आत्मामें मन की विश्रांति ही निद्रा की स्थिति है। मानव शरीर अनमोल है इसे व्यर्थ न गवायें।

स्वास्थ्य

मशरूम : विटामिन डी की कमी को करे पूरा

विटामिन डी हमारे शरीर में कैल्शियम के अवशोषण और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए बेहद जरूरी तत्व है। विटामिन डी हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक है। इससे दांत भी मजबूत होते हैं। मांसाहारियों के लिए विटामिन डी युक्त काफी खाद्य पदार्थ बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। शाकाहारी लोग भी आसानी से कुछ चीजों का सेवन कर विटामिन डी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए प्रतिदिन आधे घंटे धूप में भी जरूर बैठना चाहिए। इससे भी हड्डियां मजबूत होती है। शाकाहारी लोग विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए इन चीजों का सेवन कर सकते हैं।

दूध - दूध में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और विटामिन डी पाए जाते हैं। साथ ही दूध को एक संपूर्ण आहार माना जा सकता है। इसमें सभी तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें प्रोटीन पाए जाते हैं।

दही - दूध से बना दही गर्मियों के लिए सबसे अच्छी चीज है। दही के सेवन से शरीर को अंदर से ठंडक मिलती है और शरीर हाइड्रेट भी रहता है। डेयरी उत्पादों से एलर्जी वाले लोगों के लिए दही एक सही प्रोबायोटिक के रूप में काम आ सकता है। इसका सेवन करने से शरीर में विटामिन डी की कमी को पूरा किया जा सकता है।

मशरूम - मशरूम को विटामिन डी का अच्छा स्त्रोत है। इसे सूप या सलाद के रूप में डाइट में शामिल कर सकते हैं।

ऑरेंज जूस - संतरे में प्रचुर मात्रा में विटामिन डी पाया जाता है। एक गिलास संतरे का जूस पीने से शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी नहीं होती है।

जायका इंडिया का

उड़द दाल बोंडा

पकौड़े कई तरह से बनाएं जाते हैं जिसमें आलू पकौड़ा, गोभी पकौड़ा, प्याज पकौड़ा, पनीर पकौड़ा, पालक पकौड़ा आदि शामिल है।

उड़द दाल से बनाये गए पकौड़े एक बहुत ही स्वादिष्ट व्यंजन है जिसे कुछ साधारण सामग्री से बनाया जा सकता है। यह एक आसान रेसिपी है जो उड़द की दाल (काली दाल), प्याज, धनिया पत्ती, तिल और मसालों के मिश्रण से तैयार की जाती है।

सामग्री - 1 कप उड़द की दाल,1 मिर्च बारीक कटी हुई,1 इंच अदरक बारीक कटी हुई, कुछ करी पत्ते कटे हुए, 2 टेबल स्पून धनिया बारीक कटा हुआ, ½ टी स्पून काली मिर्च, 2 टेबल स्पून सूखा नारियल कटा हुआ, ¾ टी स्पून नमक, तलने के लिए तेल

विधि - एक बड़े कटोरे में 2 घंटे के लिए 1 कप उड़द दाल को पानी में भिगो दें। पानी निकालकर दाल को मिक्सी में डालें। टेबलस्पून पानी डालते हुए चिकनी और गाढ़ी बैटर बनाएं। उड़द दाल बैटर को एक कटोरी में डालें। एक दिशा में 2 मिनट के लिए या बैटर के चिकना होने तक फेटें। 1 मिर्च, 1 इंच अदरक, कुछ करी पत्ते, 2 टेबलस्पून धनिया, ½ टीस्पून काली मिर्च, 2 टेबलस्पून सूखा नारियल और ¾ टीस्पून नमक डालें। एक मिनट तक अच्छे से मिलाएं।अपने हाथ को पानी में डालें और फिर एक एक करके बोंडा को गरम तेल में डालें। धीमे से मध्यम आंच पर बीच बीच में चलाते रहे। वड़ा के सुनहरे भूरे और क्रिस्पी होने तक तलें। बोंडा को नारियल चटनी के साथ परोसें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460
मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

सोने में नहाती नजर आई देसी गर्ल

प्रियंका चोपड़ा सबसे पॉपुलर सितारों में से एक हैं जो कई बड़े ब्रांडों का प्रचार करती हैं। ऐनी हैथवे और ब्लैकपिंक की लिसा के साथ बुलगारी के लिए वैश्विक ब्रांड एंबेसडर बनने से पहले प्रियंका ने अपने शुरूआती दिनों में कुछ ज्वेलरी ऐड भी किए थे। अब इसी ऐड शूट का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें प्रियंका चोपड़ा का लुक और एक्सप्रेशन देख लोगों को अपनी आंखों पर यकीन नहीं आ रहा है कि क्या ये ही उनकी देसी गर्ल है।

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक पुराना ज्वैलरी ऐड शेयर किया। जैसा कि प्रियंका अपने हर प्रोजेक्ट में जान लगा देती हैं तो इस ऐड में भी उन्होंने भरपूर एक्टिंग की है। वह यलो कलर की ड्रेस पहने हुए हैं और जिसमें पीसी काफी गजब लग रही है। वो एनिमेटेड तितलियों का पीछा करती हुई दिखाई दे रही है जो बाद में जंजीरों और गहनों में बदल जाती है। इसके अलावा पीसी को एक ज्वैलरी स्टोर में जाते हुए देखा गया, जहां वह सोने में नहाती हुई दिखाई देती हैं। यह ऐड काफी पुराना है, जब प्रियंका इंडस्ट्री में नई थी। अब जैसे-जैसे विज्ञापन वायरल हो रहा है उनके फैंस इस पर काफी मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं।

सांभा की बेटी है बेहद स्टाइलिश

फिल्म शोले को भला कोई कैसे भूल सकता है। 1975 में रमेश सिप्पी की आई इस फिल्म में सिर्फ लीड एक्टर्स ही नहीं बल्कि सपोर्टिंग कास्ट ने भी अपनी छाप छोड़ी और हमेशा के लिए अमर हो गए। इनमें से एक था सांभा का किरदार जो फिल्म में थोड़ी देर के लिए नजर आया था, लेकिन ये न होते तो इनके बिना फिल्म अधूरी रह जाती। शोले में सांभा का किरदार मैक मोहन ने निभाया था। मैक की तरह ही उनकी बेटी भी सोशल मीडिया की दुनिया में काफी पॉप्यूलर है।

अभिनेता मैक मोहन की दो बेटियां हैं, एक का नाम मंजरी माकिजानी है तो दूसरी का नाम विनती माकिजानी है। मैक मोहन की छोटी बेटी विनती दिखने में बेहद खूबसूरत है और काफी स्टाइलिश भी है, जिनकी फोटोज सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में आती रहती है। पिता की तरह दोनों बेटियों ने एक्टिंग की राह पर न चलकर फिल्म मेकिंग में अपना करियर बनाया है और अब तक कई अवॉर्ड विनिंग फिल्म्स बना चुकी हैं। साल 2021 में नेटफ्लिक्स पर दोनों बहनों ने मिलकर स्केटबोर्डिंग पर आधारित फिल्म स्केटर गर्ल बनाई थी। इसका निर्देशन मंजरी ने किया है जबकि उनकी बहन विनती ने इसे प्रोड्यूस किया है।

एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने स्टाइलिश अंदाज के चलते काफी चर्चा में रहती हैं। वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की फोटोज वीडियो साझा करती रहती हैं। अब उनकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है,

मौनी रॉय ने साड़ी पहन कर दिए ऐसे पोज

जिसमें वो साड़ी पहने हुए पोज देती हुई दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इस वीडियो में एक्ट्रेस मौनी रॉय प्रिटेंड साड़ी पहने नजर आ रही है। वीडियो की शुरूआत में एक्ट्रेस अपने कानों में ईयर रिंग्स पहनती हुई दिख रही है। इस दौरान उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है, जो उनके लुक को और भी खूबसूरत बना रहा है। मौनी रॉय की इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर खूब पसंद किया जा रहा है, वीडियो को अब तक कई लाख लोग लाइक कर चुके हैं और कमेंट कर एक्ट्रेस के लुक की तारीफ कर रहे हैं। मौनी रॉय ने साल के शुरूआती महीने में अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड सूरज नांबियर संग हिंदू और बंगाली रिती रिवाजों के अनुसार शादी रचाई थी। जिसकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। मौनी रॉय और सूरज नांबियार की पहली मुलाकात दुबई में हुई थी, जिसके बाद इन दोनों ने एक-दूसरे को डेट करने लगे और लंबे वक्त तक एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया।

आलिया भट्ट बनने वाली हैं मां

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। आलिया भट्ट ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर इस बात का खुलासा किया है कि वह प्रेग्नेंट हैं। इस तस्वीर में रणबीर के साथ आलिया अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए नजर आ रही हैं। लव बर्ड्स स्क्रीन पर देख रहे हैं, जहां दिल बना हुआ है। अभिनेत्री ने फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि हमारा बच्चा जल्द आ रहा है। अभिनेत्री ने सोनोग्राफी की तस्वीर के साथ ही अपने इंस्टाग्राम पर एक और फोटो साझा की है, जिसमें एक शेर और एक शेरनी अपने शावक के साथ नजर आ रहे हैं। दंपति ने प्रकृति के लिए अपने प्यार को साझा करते हुए यह साफ कर दिया है कि दोनों जल्द ही मां-बाप बनने वाले हैं। इससे पहले रणबीर कपूर ने भी शमशेरा के प्रमोशन के दौरान इस बात के संकेत दिए थे। प्रमोशन के दौरान जब उनसे पूछा गया कि शादी के बाद वह और कितना काम करेंगे, तो उन्होंने कहा कि अभी मुझे बहुत काम करना है सर। अभी मुझे परिवार बनाना है, उनके लिए काम करना है। पहले मैं खुद के लिए काम कर रहा था। बता दें कि रणबीर और आलिया ने इसी साल 14 अप्रैल को अपने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

आयुष्मान के साथ सामंथा की पहली हिंदी फिल्म

सामंथा ने अपनी पहली हिंदी फिल्म साइन कर ली है। इस फिल्म में वो आयुष्मान खुराना के साथ नजर आने वाली हैं। ये फिल्म मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान द्वारा बनाई जा रही है, जो कि एक बड़ी बजट का प्रोजेक्ट है और इसमें हिंदी और साउथ इंडस्ट्री के दो सुपर स्टार एक साथ नजर आएंगे। फिल्म काफी अनोखी, पेचीदा और कॉमेडी से भरपूर होगी। इस फिल्म का कार्यवाही को पूरी तरह से गुप्त रखा गया है, जिसमें फिल्म के निर्देशक का नाम भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि ये फिल्म साल 2023 के अंत में फ्लोर पर आ सकती है फिल्म के लिए लगभग सभी कार्यवाही को पूरा कर ली गई है और फिलहाल शूटिंग के लिए शेड्यूल और तारीखों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। द फैमिली मैन सीजन 2 और पुष्पा द राइज में विशेष सॉन्ग ऊ अंटावा से चर्चा में आई एक्ट्रेस सामंथा ने कई हिंदी फिल्में साइन की हैं। हालांकि उनकी टीम ने इस जानकारी से स्पष्ट मना कर दिया था।

रणबीर और वाणी का बोल्ड लुक

यशराज बैनर तले आने वाली फिल्म शमशेरा में रणबीर डबल रोल में हैं। इस फिल्म को लेकर रणबीर कपूर सुर्खियों में हैं। रणबीर लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर लौटने वाले हैं, ऐसे में उनके फैंस काफी उत्सुक हैं। शमशेरा में रणबीर कपूर के अपोजिट वाणी कपूर हैं। दोनों पहली बार साथ काम करते दिखेंगे। फिल्म का प्रमोशन भी शुरू हो चुका है। अब रणबीर और वाणी ने एक हॉट फोटोशूट कराया है। इन लेटेस्ट तस्वीरों पर फैंस की ओर से खूब प्रतिक्रिया आ रही है। रणबीर और वाणी बोल्ड लुक में पोज दे रहे हैं। दोनों ने अपने लुक से कहर ढा दिया है। तस्वीरों में वाणी ने ब्लैक कलर की मोनोकनी स्टाइल में ड्रेस पहनी है जिस पर नेट का वर्क है। वहीं रणबीर कपूर ने मरून कलर का जैकेट और पैंट पहना है। उन्होंने शर्ट नहीं कैरी की और जैकेट को ओपन ही रखा है। फोटो में रणबीर और वाणी के सेंशुअस लुक को देखा जा सकता है। यशराज बैनर के आधिकारिक पेज से इंस्टाग्राम पर ये तस्वीरें शेयर की गई है। रणबीर का यह फोटोशूट काफी हद तक ऐश्वर्या राय के साथ फोटोशूट की याद दिलाता है जब उन्होंने फिल्म ऐ दिल है मुश्किल की थी।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
किचन और फर्निचर फिटिंग्स

कारीगरी
मेरी वाली
क्वालिटी
ओजोन वाली

हम सब
संभाल लेंगे

कटलरी ऑर्गनाइज़र

एर्गोटेक स्लिम ड्रावर सिस्टम

मैजिक कॉर्नर यूनिट

हैवी ड्यूटी बाई-फोल्ड
लिफ्ट-अप सिस्टम

किचन फिटिंग्स की
जानकारी के लिए,
संपर्क करें:

09310012300